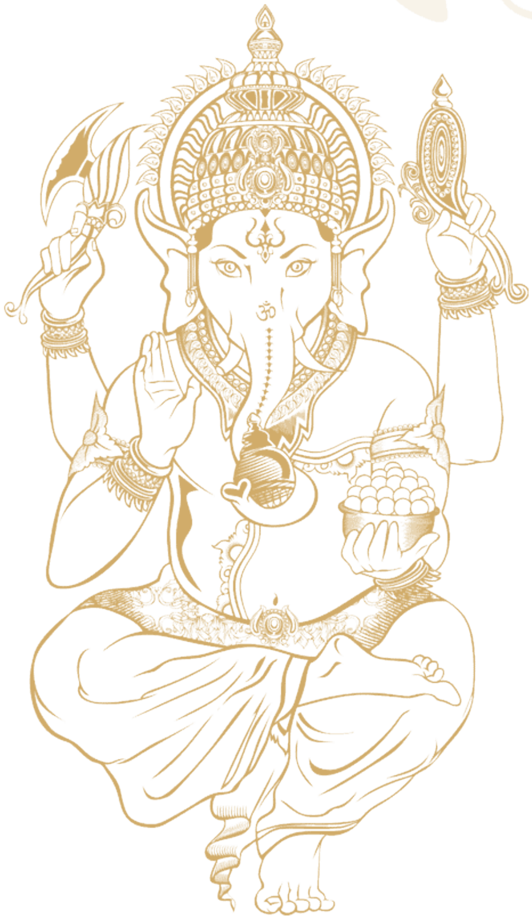

pankj

123

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121417201

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
23-24/03/1983	जन्म तिथि	14/12/1989
बुध-गुरुवार	दिन	गुरुवार
घंटे 05:05:00	जन्म समय	20:00:00 घंटे
घटी 56:42:04	जन्म समय(घटी)	31:56:02 घटी
India	देश	India
Bilaspur	स्थान	Phagwara
31:18:00 उत्तर	अक्षांश	31:14:00 उत्तर
76:48:00 पूर्व	रेखांश	75:46:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:48	स्थानिक संस्कार	-00:26:56 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:24:10	सूर्योदय	07:17:33
18:36:12	सूर्यास्त	17:25:37
23:37:05	चित्रपक्षीय अयनांश	23:43:11
कुम्भ	लग्न	कर्क
शनि	लग्न लग्नाधिपति	चन्द्र
कर्क	राशि	मिथुन
चन्द्र	राशि-स्वामी	बुध
पुष्य	नक्षत्र	पुनर्वसु
शनि	नक्षत्र स्वामी	गुरु
1	चरण	2
अतिगण्ड	योग	ब्रह्म
गर	करण	वणिज
हू-हुकमसिंह	जन्म नामाक्षर	को-कोमल
मेष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु
विप्र	वर्ण	शूद्र
जलचर	वश्य	मानव
मेष	योनि	मार्जार
देव	गण	देव
मध्य	नाड़ी	आद्य
मेष	वर्ग	मार्जार

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 18वर्ष 2मा 4दि		09:29:33	कुंभ	लग्न	कर्क	03:54:45	गुरु 10वर्ष 5मा 21दि	
शुक्र		09:09:00	मीन	सूर्य	वृश्चि	28:51:54	बुध	
27/05/2025		03:54:35	कर्क	चंद्र	मिथु	24:36:17	06/06/2019	
27/05/2045		26:57:12	मीन	मंगल	वृश्चि	03:46:49	05/06/2036	
शुक्र	26/09/2028	06:39:46	मीन	बुध	धनु	16:36:22	बुध	01/11/2021
सूर्य	26/09/2029	17:16:50	वृश्चि	गुरु व	मिथु	13:49:16	केतु	30/10/2022
चन्द्र	28/05/2031	11:54:51	मेष	शुक्र	मक	08:43:51	शुक्र	30/08/2025
मंगल	27/07/2032	09:32:46	तुला व	शनि	धनु	19:51:24	सूर्य	06/07/2026
राहु	28/07/2035	05:47:16	मिथु व	राहु व	मक	24:08:02	चन्द्र	05/12/2027
गुरु	28/03/2038	05:47:16	धनु व	केतु व	कर्क	24:08:02	मंगल	02/12/2028
शनि	27/05/2041	15:27:12	वृश्चि व	हर्ष	धनु	10:59:36	राहु	21/06/2031
बुध	27/03/2044	05:35:46	धनु	नेप	धनु	17:39:02	गुरु	26/09/2033
केतु	27/05/2045	05:13:21	तुला व	प्लूटो	तुला	22:49:02	शनि	05/06/2036

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

23:37:05 चित्रपक्षीय अयनांश 23:43:11

लग्न-चलित

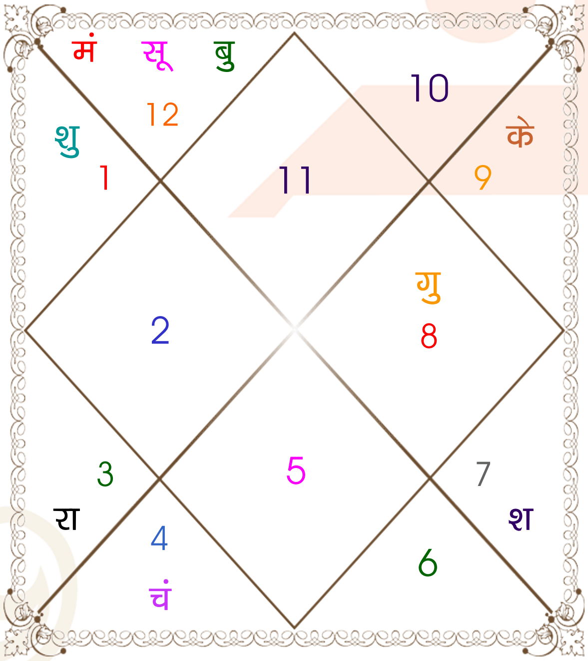

लग्न-चलित

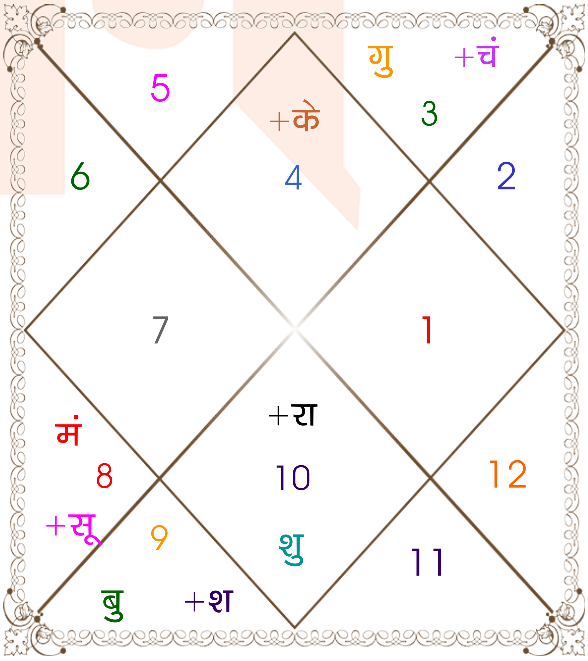

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मेष	मार्जार	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	बुध	5	1.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.00		

कुल : 23 / 36

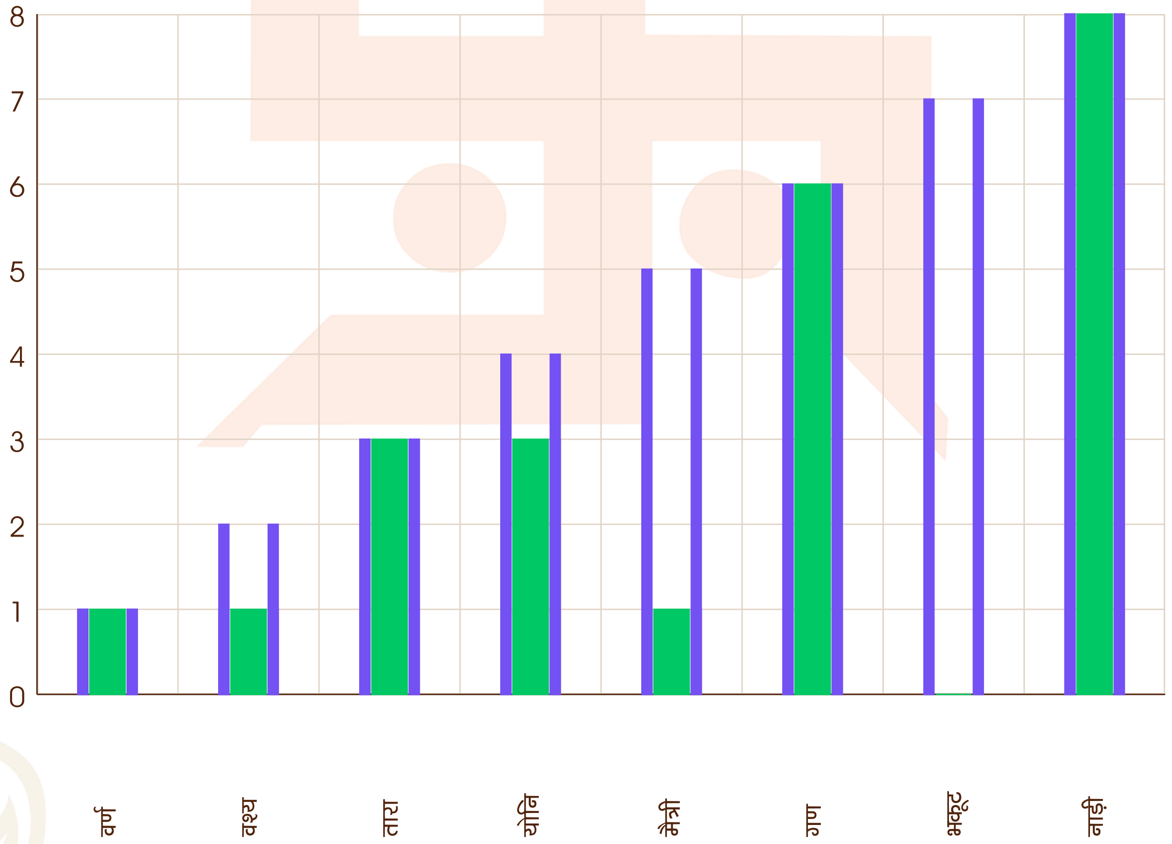

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

इस मिलान में नक्षत्र दोष भी विधमान है।

pankj का वर्ग मेष है तथा 123 का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार pankj और 123 का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

pankj मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

123 मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

pankj तथा 123 में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

pankj का वर्ण ब्राह्मण तथा 123 का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। 123 सभी को मान एवं प्रतिष्ठा देती है तथा सेवा करती रहेंगी। साथ ही वह सबकी अपेक्षाओं को पूरा करती रहेंगी तथा किसी के भी साथ तर्क-वितर्क नहीं करेंगी। 123 एक नर्स की भाँति अपने पति एवं बच्चों की सेवा एवं तिमारदारी करती रहेंगी।

वश्य

pankj का वश्य जलचर है एवं 123 का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है। जिसके कारण यह मिलान मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जलचर कभी भी मनुष्य के ऊपर नियंत्रण स्थापित नहीं कर सकता। इसके विपरीत, मनुष्य या तो जलचरों पर नियंत्रण कर लेता है अथवा उसे समाप्त कर देता है अथवा उसका भक्षण कर लेता है अथवा उससे दूर भागता है। अतः यदि इन दोनों बीच विवाह सम्पन्न होता है तो यह अनुकूल नहीं रहेगा। इस स्थिति में 123 अति हावी होती रहेगी तथा हमेशा अपने पति को गुलाम समझती रहेगी तथा चाहेगी कि pankj उसकी आज्ञा का पालन करे। इससे घर की शांति भंग होगी तथा प्रगति एवं समृद्धि पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

तारा

pankj की तारा सम्पत तथा 123 की तारा अतिमित्र है। अतः तारा मिलान अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान के कारण उत्तम स्वास्थ्य, धन एवं समृद्धि का बनी रहेगी। इस विवाह से pankj एवं 123 दोनों के सौभाग्य के द्वार खुल जायेंगे। 123 एक अच्छे साथी की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा अपने पति की हर प्रकार से समय समय पर मदद करती रहेगी। घर में प्रेम, शांति एवं सौहार्द का माहौल बना रहेगा। इनकी संतान भी काफी अच्छी होंगी तथा जीवन में सफलता प्राप्त करती रहेंगी।

योनि

pankj की योनि मेष है तथा 123 की योनि मार्जार है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से

उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में pankj से 123 का राशि स्वामी मित्र है। परन्तु 123 से pankj का राशि स्वामी शत्रु है अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। इनके कुंडली मिलान में pankj का राशि स्वामी 123 के राशि स्वामी को मित्र समझता है इसलिये ऐसी स्थिति में pankj तो 123 को खूब प्यार करने वाले तथा ख्याल रखने वाले होंगे किंतु दूसरी ओर 123 उग्र, अविश्वासी एवं धोखेबाज हो सकती है जिसके कारण वह अपने पति से झगड़ा करने का कोई मौका नहीं गंवायेंगी तथा परिवार में अक्सर तनाव की स्थिति बनी रहेगी।

गण

pankj का गण देव तथा 123 का गण भी देव है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

pankj से 123 की राशि द्वादश भाव में स्थित है 123 से pankj की राशि द्वितीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके फलस्वरूप दोनों के बीच कलह, लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं परिवार में कुछ अनहोनी घटनाएं आदि हो सकती हैं। इस मिलान में pankj परिश्रमी, परिवार से प्रेम करने वाला, अच्छा कमाने वाला तथा बचत करने वाला होगा किंतु 123 का स्वभाव इसके ठीक विपरीत होगा। 123 की शारीरिक स्थिति कमजोर तथा स्वास्थ्य अक्सर खराब रह सकता है। साथ ही 123 तुरंत क्रोधित होने वाली तथा अपव्ययी होंगी। वह अपने पति द्वारा कमाए गए पैसों को अपने फालतू शौकों एवं दिखावे में व्यय करने वाली होंगी। परिणामतः दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे।

नाड़ी

pankj की नाड़ी मध्य है तथा 123 की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का समन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी शक्ति को संतुलित करता है। तीनों जीवनी शक्तियों वात, पित्त एवं कफ का संतुलन जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी संतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवं स्वस्थ तथा बुद्धिमान संतान होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

pankj की जन्मराशि जलतत्व युक्त कर्क तथा 123 की राशि वायुतत्व युक्त मिथुन है। नैसर्गिक रूप से जल तथा वायुतत्व में विषमता तथा शत्रुता का भाव विद्यमान रहता है। अतः pankj और 123 के मध्य मतभेद तथा विषमताएं स्वाभाविक रूप से रहेंगी। अतः इनका मिलान उत्तम नहीं होगा।

pankj की राशि का स्वामी चन्द्रमा तथा 123 की राशि का स्वामी बुध परस्पर मित्र एवं शत्रुभाव में स्थित हैं। अतः pankj और 123 के मध्य समानता की अपेक्षा विषमता एवं मतभेद ही अधिक मात्रा में रहेंगे जिससे दाम्पत्य जीवन विशेष सुखी नही रहेगा। pankj एक धैर्यवान तथा बुद्धिमान पुरुष होंगे तथा 123 का स्वभाव आलसी रहेगा साथ ही pankj को बच्चे प्रिय रहेंगे 123 मित्रों के मध्य आनन्दानुभूति प्राप्त करेंगी। अतः उपरोक्त विषमताओं के कारण इनके वैवाहिक जीवन में शान्ति का अभाव रहेगा। pankj एवं 123 की राशियाँ परस्पर द्वादश एवं द्वितीय भाव में पड़ती हैं। यह एक प्रबल भकूट दोष है। इसके प्रभाव से मानसिक स्तर पर भी असमानताएँ होंगी तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम सहयोग एवं आकर्षण का अभाव रहेगा। साथ ही परस्पर स्वार्थ की भावना में भी लिप्त रहेंगे फलतः समय समय पर एक दूसरे से अनावश्यक विवाद उत्पन्न होंगे तथा गुणों की अपेक्षा एवं कमियों पर विशेष ध्यान देकर दाम्पत्य जीवन में कटुता का भाव बना रहेगा।

pankj का वश्य जलचर एवं 123 का वश्य मानव है। इन दोनों वश्यों में शत्रुता एवं असमानता होने के कारण अभिरूचियों में भिन्नता रहेगी। साथ ही शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताओं में विषमता रहेगी तथा कामभावनाओं में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

pankj का वर्ण ब्राह्मण तथा 123 का वर्ण शूद्र है। इसके प्रभाव से इनकी कार्य क्षमता में भी अन्तर रहेगा। pankj शैक्षिणक कार्यो तथा धार्मिक कार्यों के प्रति इच्छुक होंगे लेकिन 123 किसी भी कार्य को परिश्रम एवं ईमानदारी से सम्पन्न करेंगी।

धन

pankj की तारा सम्पत तथा 123 की तारा अतिमित्र है। ये दोनों ताराएं शुभ मानी जाती हैं। अतः इसके प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं सम्पति को अर्जित करने में समर्थ होंगे। pankj और 123 की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है जो भकूट दोष माना जाता है। लेकिन मंगल भी आर्थिक स्थिति से इनको सम्पन्न करेगा जिससे भकूट दोष का प्रभाव न्यून होगा तथा उनका जीवन धनऐश्वर्य से सम्पन्न होकर सुख पूर्वक व्यतीत होगा एवं भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करने में भी वे समर्थ रहेंगे।

भकूट दोष के कारण pankj की प्रवृति अधिक व्यय करने की रहेगी लेकिन तारा के

शुभ प्रभाव से इसका आर्थिक स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं होगा तथा धन की भी कमी नहीं आएगी जिससे जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा।

स्वास्थ्य

pankj की नाड़ी मध्य तथा 123 की नाड़ी आद्य है। अतः दोनों का जन्म अलग अलग नाड़ियों में होने के कारण यह मिलान उत्तम रहेगा। इसके शुभ प्रभाव से अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को यथा समय सम्पन्न करने में वे समर्थ होंगे जिससे दाम्पत्य जीवन की खुशहाली तथा सन्तुष्टि बनी रहेगी तथा समय भी सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही मंगल का भी किसी के स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः दोनों स्वस्थ तथा प्रसन्नचित रहकर अपना जीवन व्यतीत करने में सफल होंगे।

संतान

संतति की दृष्टि से pankj और 123 का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से pankj और 123 को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त pankj और 123 के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

123 का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः 123 के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती है उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार 123 सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वारा pankj और 123 को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार pankj और 123 का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

ससुराल-सुश्री

123 के सास से संबधों में मधुरता के भाव की सामान्यतया न्यूनता ही रहेगी तथा अपनी सास के साथ सामंजस्य स्थापित करने में उनको काफी कठिनाई तथा असुविधा का सामना करना पड़ेगा। अतः उनसे संबधों में मधुरता लाने के लिए 123 को धैर्य तथा बुद्धिमता का परिचय देना चाहिए तथा अपने समस्त कार्य कलापों को सक्रियता से सम्पन्न करना चाहिए।

साथ ही ससुर से भी 123 को समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी तथा उन्हें

प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में उन्हें कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। ननद एवं देवरों से भी 123 के संबधों में तनाव का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सहानुभूति के भाव में न्यूनता रहेगी फलतः परस्पर प्रतिद्वन्दिता एवं आलोचना का भाव रहेगा।

इस प्रकार 123 का ससुराल के लोगों से अच्छे संबध नहीं रहेंगे जिससे यदा कदा वे असुविधा की अनुभूति कर सकती हैं।

ससुराल-श्री

pankj के अपनी सास से संबधों में मधुरता रहेगी तथा सास को वह अपनी माता के समान पूर्ण आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। वह उन्हें अपने पुत्र के समान समझेंगी तथा उसी प्रकार अपनत्व तथा वात्सल्य प्रदान करेंगी। साथ ही समय समय पर वे सपत्नीक सास से मिलने के लिए ससुराल जाते रहेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में pankj के संबध अच्छे नहीं रहेंगे। इनकी आयु में अधिक अंतर के कारण वैचारिक तथा सैद्धांतिक मतभेद समय समय पर उत्पन्न होते रहेंगे। लेकिन यदि दोनों सामंजस्य की प्रवृति से कार्य लें तो मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा मधुर संबधों में वृद्धि होगी। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबधों में तनाव रहेगा तथा मानसिक स्तर पर विभिन्नता रहेगी जिससे एक दूसरे को वांछित सहयोग स्नेह एवं सहानुभूति अल्प ही प्रदान करेंगे। अतः इनको परस्पर सामंजस्य के भाव की स्थापना करनी चाहिए। इस प्रकार ससुराल पक्ष का दृष्टिकोण pankj के प्रति सामान्य ही रहेगा।